दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 101 | ग्वालियर, रविवार, 12 अप्रैल 2020 | पृष्ठ: 08 - मूल्य 2 रुपए

लॉकडाउन में मटरगश्ती करते लोगों को ठेठ अंदाज में नसीहत देते हैं ये दरोगा

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) को फैलने से रोकने के लिए पूरे देश में लॉकडाउन लगा है। इस दौरान लोगों के घर से निकलने और घूमने-फिरने पर रोक है। लोगों से सोशल डिस्टेंसिंग (सामाजिक दूरी) का पालन करने के लिए कहा गया है। इसके बावजूद कुछ लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आते और बेवजह सड़क पर निकल आते हैं। ऐसे ही लोगों को अपने तरीके से सबक सिखाते है दरोगा भागवत प्रसाद पांडे, जो कि मध्यप्रदेश के सीधी में ट्रैफिक इंस्पेक्टर हैं। उनका लोगों को समझाने का तरीका सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय है। लॉकडाउन के दौरान दरोगा भागवत प्रसाद सीधी की खाली सड़कों पर पेट्रोलिंग के लिए निकलते हैं और इस दौरान जो भी लॉकडाउन का उल्लंघन करते हुए मिलता है, उसे लाठी-डंडे से पीटते नहीं बल्कि अपने तरीके से कानून का पाठ पढ़ाते हैं। पांडे जी का यही अंदाज उन्हें खास बनाता है। वो इस पूरी घटना का अपने फेसबुक पेज पर लाइव प्रसारण भी करते हैं। सड़कों पर गश्त के दौरान दारोगा भागवत जरूरतमंदों को कोरोनो वायरस से बचवा के लिए फेस मास्क देते हैं। इसके साथ ही रोज रात 8 बजे वे फेसबुक पर लाइव बातचीत करते हैं और इस दरम्यान लोगों की परेशानियों को सुनते हैं, उसका जवाब देते हैं और जरूरत पड़ने पर लोगों को सलाह भी देते हैं।

कोरोना: भीलवाड़ा मॉडल का क्रेडिट राहुल को देने पर

सोनिया पर फूटा महिला सरपंच का गुस्सा राज्यवर्धन बोले- अब आएगा भूकंप

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के प्रकोप पर काबू पाने को लेकर राजस्थान का भीलवाड़ा मॉडल आज पूरे देश में चर्चा में है। इस बीच कोरोना के खिलाफ जंग में भीलवाड़ा की सफलता का क्रेडिट सोनिया गांधी द्वारा राहुल गांधी को दिए जाने पर देवरिया ग्राम पंचायत की सरपंच ने कांग्रेस अध्यक्ष पर हमला बोला है। सोनिया गांधी पर राजनीति करने का आरोप लगा सरपंच किस्मत गुर्जर ने कहा कि जिले की महिलाओं, किसानों, ग्रामीणों और स्वयंसेवी संस्थाओं की कड़ी मेहनत की वजह से ही भीलवाड़ा में कोरोना के बढ़ते संक्रमण पर काबू पाया गया है। शनिवार को अपने ट्विटर अकाउंट से एक वीडियो जारी कर सरपंच किस्मत गुर्जर ने कहा कि भीलवाड़ा वासियों की मेहनत का श्रेय सोनिया गांधी द्वारा राहुल गांधी को दिया

जाना दुःखद है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ अभियान का क्रेडिट जिले के लोगों को मिलना चाहिए न कि राहुल गांधी और राज्य की सरकार को। अपने वीडियो में सरपंच किस्मत गुर्जर ने कहती हैं, आज मैं पढ़ रही थी कि भीलवाड़ा मॉडल के लिए सोनिया गांधी ने राहुल गांधी को क्रेडिट दिया और उनकी तारीफ की। मुझे इसका बहुत दुख हुआ। आज जिसे भीलवाड़ा मॉडल कहा जा रहा है, दरअसल उसके पीछे यहां के किसानों, महिलाओं, ग्रामीणों और भीलवाड़ा की स्वयंसेवी संस्थाओं की कड़ी मेहनत है। पिछले कई दिनों से राज्य सरकार जिसका क्रेडिट लेने की लगातार कोशिश कर रही है और आज राहुल गांधी ने लेने की कोशिश की, वो दरअसल स्थानीय लोगों की मेहनत का नतीजा है। जिन्होंने कोरोना से लड़ने के लिए छोटी-छोटी बातों का कड़ाई से पालन किया और आत्मसंयम का परिचय दिया। वह आगे कहती हैं, हम लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बहुत प्रभावित हुए हैं। यहां के लोगों ने न सिर्फ लॉकडाउन का सही से पालन किया, बल्कि सोशल डिस्टेंसिंग और साफ-सफाई का ध्यान रखा है। डॉक्टर, नर्स, मेडिकल स्टाफ के साथ सहयोग करने को लेकर प्रधानमंत्री ने जो आग्रह किया है, उसका यहां के लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ा है। यह समय राजनीतिक स्वार्थ-सिद्धि का नहीं है, बल्कि सतर्कता और संयम के साथ रोज मेहनत करने का है।

पीएम मोदी से बोले केजरीवाल

दिल्ली में तबलीगी के चलते कोरोना से जूझने को चाहिए वक्त

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई मीटिंग में कहा कि दिल्ली लॉकडाउन पर केंद्र का पालन करेगा, लेकिन तबलीगी जमात के प्रत्येक संपर्क को जानने के बाद नियंत्रण क्षेत्र को एयरटाइट बनाने के लिए दो सप्ताह की जरूरत होगी। लॉकडाउन को दो सप्ताह तक बढ़ाने की चर्चा के बीच केजरीवाल ने ये कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कोरोना वायरस के चलते देश में लागू लॉकडाउन को बढ़ाए जाने को लेकर चर्चा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई इस बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत कई राज्यों के सीएम ने लॉकडाउन को बढ़ाए जाने की अपील की। वहीं, मुख्यमंत्रियों से पीएम मोदी ने कहा कि वह हमेशा उपलब्ध हैं।

बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं 24×7 उपलब्ध हूं। कोरोना वायरस पर कोई भी मुख्यमंत्री किसी भी समय मुझे कोई सुझाव दे सकता है। हमें इस मुद्दे पर कंधे से कंधा मिलाकर चलना होगा। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी गमछा का मास्क बनाकर लपेटे हुए दिखाई दिए। वहीं, कई मुख्यमंत्रियों ने चेहरे पर मास्क लगा रखा था।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बैठक में प्रधानमंत्री मोदी को देश में लागू लॉकडाउन को 30 अप्रैल तक बढ़ाने का सुझाव दिया। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री की बातचीत में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की अवधि बढ़ाए जाने का सुझाव दिया।

कोरोना वायरस से इंदौर में तीन और मरीजों की मौत की पुष्टि, मृतक संख्या बढ़कर 30 हुई

इंदौर (मध्यप्रदेश)। देश में कोरोना वायरस के प्रकोप से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में शामिल इंदौर में इस महामारी की चपेट में आई 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला समेत तीन और मरीजों की मौत की शनिवार को आधिकारिक पुष्टि की गई। इसके साथ ही, शहर में इस संक्रमण के बाद दम तोड़ने वाले मरीजों की तादाद बढ़कर 30 पर पहुंच गई है। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती 75 वर्षीय वृद्ध महिला, 66 वर्षीय बुजुर्ग पुरुष और 52 वर्षीय पुरुष ने पिछले तीन दिन के दौरान दम तोड़ा।अधिकारी ने बताया कि प्रयोगशाला से आयी जांच रिपोर्ट में तीनों मरीज कोरोना वायरस से संक्रमित पाये गये थे। इनमें से दो मरीजों को श्वसन तंत्र संबंधी रोग (सीओपीडी) और मधुमेह सरीखी पुरानी बीमारियां भी थीं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 18 दिन के दौरान शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के 249 मरीज मिले हैं। इनमें से 30 लोग इलाज के दौरान दम तोड़ चुके हैं। यानी फिलहाल शहर में कोविड-19 के मरीजों की मरीजों की मृत्यु दर 12 प्रतिशत के आस-पास है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि शहर में कोविड-19 के मरीजों की मृत्यु दर पिछले कई दिन से राष्ट्रीय स्तर के मुकाबले कहीं ज्यादा बनी हुई है। इंदौर में कोरोना वायरस के मरीज मिलने के बाद से प्रशासन ने 25 मार्च से शहरी सीमा में कर्फ्यू लगा रखा है।

दिल्ली में कोरोना के मामलों में हुआ बड़ा इजाफा

1000 के करीब पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी बने कोरोना वायरस के मामले राजधानी दिल्ली में दिन-प्रतिदिन काफी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। दिल्ली में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 900 के पार पहुंच गई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बताया कि शुक्रवार को पिछले 24 घंटों में 183 नए मामले दर्ज किए गए, जो दिल्ली के लिए एक दिन में मिलने वाले अब तक के सबसे अधिक मामले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, राजधानी दिल्ली में अब तक कुल 941 कोरोना वायरस के मामले हैं, जिनमें से 13 लोगों की मौत हो गई है और 25 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ्य भी हुए हैं। वहीं, 903 संक्रमित मरीज अब भी अस्पतालों में भर्ती हैं।

अब तक 30 हॉटस्पॉट सील - दिल्ली में कोरोना का संक्रमण फैलता जा रहा है। शुक्रवार को सात नए हॉटस्पॉट को सरकार ने सील करने का आदेश दे दिया है। अब दिल्ली में कुल 30 हॉटस्पॉट को सील कर दिया गया है। इसी के साथ अब लुटियन दिल्ली के अलावा दिल्ली के सभी जिलों में हॉटस्पॉट सामने आ चुके हैं। मगर सरकार की चिंता वे इलाके हैं

जहां पर घनी आबादी रहती है। दिल्ली में शुक्रवार को कोरोना के 183 नए मरीज मिले हैं, जबकि दो मरीजों की मौत हो गई। दिल्ली में जो सात नए हॉटस्पॉट पहचाने गए हैं उनमें सबसे अधिक पश्चिमी दिल्ली के तीन अशोक नगर, पश्चिम विहार और मोती नगर शामिल है। इसके अलावा पुरानी दिल्ली के नबी करीम, चांदनी महल इलाके से यह हॉटस्पॉट मिले हैं। ओखला इलाके में जाकिर नगर में हॉटस्पॉट के साथ बफर जोन भी बनाया है। जहां पर सीमित पाबंदियों के साथ लोगों की आवाजाही होगी। इसके अलावा एक नया इलाका बाहरी दिल्ली का है।

घनी आबादी वाले इलाके चिंता का विषय - सरकार के लिए हॉट स्पॉट चिन्हित गए इलाकों घनी आबादी वाले इलाके ज्यादा चिंता का विषय है। यहां पर संक्रमण तेजी से फैल सकता है। इसमें निजामुद्दीन के बाद नबी करीम, चांदनी महल और जाकिर नगर का इलाका है। यही कारण है कि सरकार यहां पर हॉट स्पॉट के चारों तरफ बफर जोन भी बना रही है। जिससे हॉटस्पॉट के अलावा उसके चारों तरफ सटे इलाके में कुछ सीमित पाबंदियां होंगी।

जहांनाबाद सदर अस्पताल में मासूम को पीएमसीएच ले जाने के लिए नहीं मिला एंबुलेंस, गई जान

पटना। बिहार के जहानाबाद जिले में समय पर एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के कारण शुक्रवार को सदर अस्पताल में एक मासूम सरकारी अस्पताल की व्यवस्था की भेंट चढ़ गया। बताया जाता है कि मासूम को घर से अस्पताल पहुंचने के लिए एंबुलेंस नहीं मिली और फिर बाद में सदर अस्पताल से पटना जाने के लिए भी एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो सका।बुखार और सांस लेने में तकलीफ के कारण बच्चे ने बेहतर इलाज के अभाव में दम तोड़ दिया। अरवल जिले के कुर्था थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी गिरिजेश कुमार अपने 3 साल के पुत्र ऋषि कुमार को लेकर इलाज के लिए शुक्रवार को जहानाबाद सदर अस्पताल पहुंचा। बच्चे को तेज बुखार था और सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। बच्चे की हालत गंभीर से जिसके कारण जहानाबाद सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना रेफर कर दिया। लेकिन काफी इंतजार के बाद भी जब उसे एंबुलेंस नहीं मिला तो मासूम की सांस उसका साथ छोड़ने लगी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पीपीएम स्कूल के निदेशक डॉक्टर सुनील कुमार ने अपना प्राइवेट वाहन उसे उपलब्ध कराया लेकिन जब तक वह उक्त वाहन से पटना निकलता उससे पहले ही मासूम की सांस उखड़ गई। बाद में उसी वाहन से मासूम और उसके परिजनों को उसके घर भेजा गया। ज्ञातव्य की जहानाबाद सदर अस्पताल 55 सरकारी एंबुलेंस उपलब्ध है। इसके बावजूद सही समय पर गरीबों को एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो पाती है। इस कारण उस बच्चे की मौत हो गई।

पश्चिम बंगाल में कोरोना के 10 हॉटस्पॉट होंगे बंद

नहीं मिलेगी बाहर निकलने की इजाजत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार कोविड-19 के 10 हॉटस्पॉट को पूरी तरह से बंद करेगी, जहां से संक्रमण के मामले सामने आए हैं। मुख्य सचिव राजीव सिन्हा ने शनिवार को कहा कि उन इलाकों के स्थानीय बाजारों और सभी सड़कों को बंद कर दिया जाएगा और किसी को भी इलाके में प्रवेश करने या अपने घरों से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होगी। बहरहाल, मुख्य सचिव ने क्षेत्रों का नाम नहीं बताया। सिन्हा ने कहा, प्रशासन पूर्ण बंदी के दौरान उन इलाके के लोगों को सारी जरूरी चीजें मुहैया कराएगा।

वहीं, देश में कोरोना वायरस के चलते मृतकों का आंकड़ा शनिवार को 2×9 पर पहुंच गया और कुल संक्रमितों की संख्या 7,477 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के

मुताबिक अब भी 6,565 लोग संक्रमण की चपेट में हैं जबकि 642 लोगों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और एक व्यक्ति विदेश चला गया है। मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार शाम से अब तक ×× लोगों की मौत हुई है। इनमें 17 मौत मध्य प्रदेश में, 1× महाराष्ट्र में, दो गुजरात में और एक असम में हुई है। कोरोना वायरस से सबसे 'यादा 110 मौत महाराष्ट्र में हुई है। इसके बाद मध्य प्रदेश में ××, गुजरात में 19 और दिल्ली में 1× लोगों की मौत हुई है। पंजाब में 11 मौत जबकि तमिलनाडु में आठ और तेलंगाना में सात लोगों की मौत हुई है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में छह-छह लोगों की मौत जबकि पश्चिम बंगाल में पांच लोगों की मौत हुई है।

कोरोना को कब तक समझेंगे मजाक?

कहीं बीजेपी विधायक तो कहीं पार्षद बर्थडे पर भीड़ जुटा उड़ा रहे लॉकडाउन की धज्जियां

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के खतरनाक प्रकोप से पूरी दुनिया समते भारत में संकट का माहौल है। कोरोना वायरस से देश की बहुत बड़ी आबादी को बचाने के लिए ही देश में लॉकडाउन जारी है, मगर कुछ लोग ऐसी भी हैं जो इस संकट की घड़ी में भी गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं और लॉकडाउन की धज्जियां उड़ा रहे हैं। दरअसल, महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पनवेल में लॉकडाउन के बावजूद भाजपा के एक पार्षद जन्मदिन की पार्टी मना रहे थे। जन्मदिन की पार्टी मनाने के लिए एक जगह एकत्र होने के चलते भाजपा पार्षद समेत 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, घटना शुक्रवार रात की है। पुलिस ने बताया कि पनवेल नगर निगम के भाजपा पार्षद अजय बहिरा के बंगले पर सभी एकत्र हुए थे। पनवेल पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक अजय कुमार ने कहा, पुलिस को सूचना मिली थी कि पार्षद का जन्मदिन मनाने के लिए

उनके बंगले की छत पर कुछ लोग एकत्र हुए हैं। पुलिस दल मौके पर पहुंचा तो कार्यक्रम जारी था और पार्षद समेत 11 लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके अलावा, कर्नाटक में टुमकुर जिले के तुरुवेकर में बीजेपी विधायक एम जयराम ने कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए देश में जारी लॉकडाउन के नियमों धज्जियां उड़ाते हुए जोर शोर से अपना जन्मदिन मनाया। यहां केक काटकर बिरयानी पार्टी दी गई जिसमें बड़ी संख्या में जयराम के समर्थक शामिल हुए। ये दोनों घटनाएं ऐसे वक्त में सामने आई हैं, जब भारत में कोरोना वायरस से मरने वालों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। कोरोना वायरस के संक्रमण में तेजी को देखते हुए केंद्र सरकार ने 21 दिनों के लिए देश लॉकडाउन का आदेश दिया था, जो 14 अप्रैल के खत्म हो रहा है।

यूपी: मेरठ में हॉटस्पॉट इलाका सील करने पहुंची पुलिस पर लोगों ने किया पथराव

पुलिस पर लोगों ने किया पथराव मजिस्ट्रेट-दरोगा को लगी ईंटें

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में शनिवार सुबह नया हॉटस्पॉट इलाका जली कोठी को सील करने पहुंची पुलिस का स्थानीय लोगों ने विरोध कर उनपर पथराव कर दिया। इसमें सिटी मजिस्ट्रेट को एक ईंट लगी, हालांकि वह जख्मी नहीं हुए। इसके बाद कई थानों की फोर्स ने पहुंचकर भीड़ को खदेड़ा। फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है।

महाराष्ट्र से तीन जमाती 24 फरवरी को मेरठ में आए थे। वह देहली गेट थाना क्षेत्र में जली कोठी के पास दरी वाली मस्जिद में रुके हुए थे। शुक्रवार को तीनों जमातियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। शनिवार सुबह दिल्ली गेट थाने के प्रभारी रविंद्र सिंह फोर्स लेकर जली कोठी स्थित एक गली को सील करने के लिए गए थे। इस दौरान वहां पर सिटी मजिस्ट्रेट भी मौजूद थे। पुलिस जैसे ही लकड़ी की बल्लियां और बैरियर लेकर पहुंची तो वहां रहने वाले कुछ लोगों ने इसका विरोध कर दिया। भीड़ ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पथराव शुरू कर दिया। इसमें सिटी मजिस्ट्रेट और थाना प्रभारी को पत्थर भी लगे हैं। पथराव में दरोगा मुकेश कुमार घायल हो गए। पुलिस पर हमले की सूचना वायरलेस पर मिलते ही अन्य थानों का फोर्स जली कोठी के लिए दौड़ पड़ा।

देश में 3 हॉटस्पॉट कोरोना से मुक्त

भीलवाड़ा, इस्लामपुर और दिलशाद गार्डन को कैसे मिली जीत

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है और शनिवार तक संक्रमितों की संख्या 7400 के पार चली गई है। पिछले 24 घंटों में 40 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या भी 239 तक पहुंच गई है। इस बीच कोरोना वायरस को नियंत्रित करने के लिए देश में इस्तेमाल किया जा रहा हॉटस्पॉट सील मॉडल सफल होता दिख रहा है। देश के तीन राज्यों में एक-एक हॉटस्पॉट कोरोना मुक्त हो गया है। राजस्थान में भीलवाड़ा, महाराष्ट्र के सांगली में इस्लामपुर और दिल्ली का पहला हॉटस्पॉट दिलशाद गार्डन कोरोना से मुक्त हो गया है। आइए जानते हैं कैसे ये दिन हॉटस्पॉट कोरोनो फ्री स्पॉट बन गए।

इस्लामपुर ने कोरोनो को किया काबू - महाराष्ट्र के सांगली जिले का एक छोटा कस्बा है इस्लामपुर। अब यह कोरोना के खिलाफ जंग में उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। 23 मार्च को यहां एक परिवार के चार लोग पॉजिटिव मिले तो 70 हजार की आबादी वाला यह कस्बा परेशान हो उठा। लेकिन करीब 18 दिन बाद भी यहां संक्रमितों की संख्या 26 तक पहुंची और ये

सभी उन्हीं 4 लोगों के संपर्क में आए लोग हैं। इनमें से 9 तो बुधवार तक घर भी लौट गए। इस परिवार के बाहर यह वायरस फैल नहीं सका। अब यह हॉटस्पॉट संक्रमण मुक्त हो चुका है। वजह है जिला प्रशासन की तेजी और हॉटस्पॉट सील मॉडल।

कैसे इस्लामपुर को मिल जीत? - जिले में पहला केस सामने आया तो सांगली जिला प्रशासन ने ऐक्शन मोड में आने में देरी नहीं की।

भीलवाड़ा को कर दिया गया था सील

जिले के कलेक्टर राजेंद्र भट्ट ने तेजी दिखाते हुए सबसे पहले जिले की सीमाएं सील कर दीं। पहले से लागू लॉकडाउन को यहां काफी सख्त कर दिया गया। जरूरी सेवाओं के लिए खुलने वाली दुकानों को भी बंद कर दिया गया। किसी को भी बाहर निकलने की इजाजत नहीं दी गई। मेडिकल टीम के अलावा शहर में किसी के लिए प्रवेश मुमकिन नहीं था। राशन और दूध जैसी सामग्री घर-घर पहुंचाने का इतंजाम किया गया। 1500 लोगों को आइसोलेट किया गया और इनके घर के बाहर जवान तैनात कर दिए गए। घर-घर सर्वे और लाखों लोगों की स्क्रीनिंग की गई। क्वारंटाइन के लिए जिले के सभी होटल, गेस्ट हाउस, अस्पताल और हॉस्टल को अधिग्रहित कर लिया गया। शहरी और ग्रामीण इलाकों में लगातार हाइपोक्लोराइड का छिड़काव कराया गया। जनता ने भी प्रशासन का पूरा सहयोग किया और इसका नतीजा है कि आज भीलवाड़ा ना सिर्फ कोरोना मुक्त हुआ है, बल्कि दूसरों के लिए एक मॉडल भी बन गया है। यूपी, दिल्ली के अलावा दूसरे कई देशों ने भी इस मॉडल को अपनाया है।

संपादकीय

भर्ती में मनमानी

हरियाणा में यह पहली घटना नहीं है। पहले भी सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की भर्ती में बड़े पैमाने पर हुई अनियमितता की शिकायत मिलने पर अदालत ने उसे रद्द कर दिया था। उसमें कई रसूख वाले राजनेताओं को सजा भी मिली थी। इस तरह के मामले उत्तर प्रदेश में भी पुलिस और शिक्षकों की भर्ती में उठ चुके हैं। सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में पक्षपात, रिश्वत, रसूख, सिफारिश वगैरह का बोलबाला छिपी बात नहीं है। यहां तक कि आरक्षण वाले पदों पर भी इसका प्रभाव देखा जाता है। अनेक जगहों पर भर्तियों में बड़े पैमाने पर अनियमितता की शिकायतें मिलने के बाद उन्हें रद्द किया जा चुका है। हरियाणा में शारीरिक प्रशिक्षकों की भर्ती में हुई अनियमितता के कारण उन्हें रद्द किया जाना इसका ताजा उदाहरण है। करीब चौदह साल पहले इसके लिए आवेदन मंगाए गए थे और फिर चयन प्रक्रिया के बाद दस साल पहले करीब दो हजार प्रशिक्षकों की नियुक्ति कर दी गई थी। उस चयन प्रक्रिया में धांधली की शिकायत की गई, जिस पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने पूरी भर्ती को रद्द करने का आदेश दिया था। उस आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। अब सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए सभी भर्तियों को रद्द कर इन पदों के लिए नए सिरे से चयन प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। इस तरह जो लोग पिछले दस सालों से नौकरी कर रहे थे, उन्हें भी नए सिरे से आवेदन करना और चयन प्रक्रिया में शामिल होना पड़ेगा। गनीमत है, अदालत ने इन पदों पर काम कर रहे लोगों से पैसे वसूलने का आदेश नहीं दिया है। हरियाणा में यह पहली घटना नहीं है। पहले भी सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की भर्ती में बड़े पैमाने पर हुई अनियमितता की शिकायत मिलने पर अदालत ने उसे रद्द कर दिया था। उसमें कई रसूख वाले राजनेताओं को सजा भी मिली थी। इस तरह के मामले उत्तर प्रदेश में भी पुलिस और शिक्षकों की भर्ती में उठ चुके हैं। छिपी बात नहीं है कि जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है, वह सरकारी नौकरियों में अपने नजदीकी लोगों को भरने का प्रयास करता है। जबसे कुछ राजनीतिक दलों ने अपना आधार जातीय समीकरण पर बना लिया है, उनके सत्ता में आने पर सरकारी भर्तियों में उन जातियों के लोगों की बहुलता स्पष्ट नजर आती है। हालांकि हर नौकरी के लिए न्यूनतम अर्हता और योग्यता तय होती है, पर जिस तरह चपरासी जैसे पदों के लिए लाखों ऊंची डिग्री वाले लोग भी आवेदन करते देखे जाते हैं, उसमें वही कामयाब हो पाते हैं, जिनकी पहुंच चयन प्रक्रिया में शामिल या सत्ता के निर्णायक पदों का निर्वाह कर रहे लोगों तक हो। इस तरह राजनीतिक दल अपना जनाधार मजबूत करने और चुनाव आदि के लिए धन जमा करते भी देखे जाते हैं। कई बार सरकारी नौकरियों की चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के उपायों पर जोर दिया जाता है, पर जब सत्ता पक्ष खुद अनियमितताओं में शामिल हो, तो किसी भी उपाय की कोई अहमियत नहीं रह जाती। हरियाणा में शारीरिक प्रशिक्षकों की भर्तियों में भी तत्कालीन सरकार की पक्षपातपूर्ण भूमिका चिह्नित हुई है। राजनीतिक दलों और सत्ता पक्ष के जिम्मेदार लोगों की इस प्रवृत्ति के चलते ही आम लोगों में यह विश्वास बन चला है कि बिना सिफारिश के सरकारी नौकरी नहीं मिलती।

कुदरत मुस्कुरा रही है

राहुल कुमार

मानवीय दखल के कारण तेजी से दूषित हो रही प्रकृति ने चेतावनी दी है कि उसके साथ ज्यादा खिलवाड़ हुआ तो उसका नतीजा ठीक नहीं होगा। दुनिया यायातात प्रबंधन, जाम, औद्योगिक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता आदि दिक्कतों से जूझ रही है और इसके मशीनी निदान पर हर साल अरबों डॉलर खर्च होते हैं। कोरोना संकट ने बता दिया कि मशीनों के अतार्किक उपयोग पर रोक लगेगी, तभी प्रकृति नैसर्गिक बनी रहेगी। यमुनोत्री से इलाहबाद तक के अपने सफर में यमुना नदी का प्रवाह दिल्ली में महज दो फीसद है, लेकिन यहां का जहर इसके कुल प्रदूषण में छिहत्तर प्रतिशत इजाफा करता है। इसे साफ करने के लिए 1994 से अभी तक दो हजार करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। मगर स्थिति में लेशमात्र बदलाव नहीं आया है। पर जब कोरोना विषाणु के खौफ से राजधानी थमी, तो बारहवें दिन ही यहां की यमुना करीब साठ प्रतिशत तक साफ हो गई।

पूर्ण बंदी के दौरान कल-कारखाने क्या बंद हुए, दो सप्ताह में ही पूरे देश की नदियां जल-संपन्न हो गईं। हमारी नदियों में पानी की मात्रा पिछले दस सालों में सबसे अधिक हो गई है। बंदी के बाद दो अप्रैल तक के आंकड़े बानगी हैं कि गंगा नदी में 15.8 बीसीएम पानी उपलब्ध है, जो कि नदी की कुल क्षमता का 52.6 फीसद है। पिछले साल इसी समय गंगा नदी में मात्र 8.6 बीसीएम पानी था। इसी तरह नर्मदा में क्षमता का 46.5 प्रतिशत यानी 10.4 बीसीएम पानी उपलब्ध है। तापी नदी में छियासठ प्रतिशत जल है। इसी तरह माही, गोदावरी, साबरमती, कृष्णा, कावेरी, हर नदी की सेहत सुधर गई है। हर त्रासदी अपने साथ कोई सबक लेकर आती है। इसमें कोई शक नहीं कि कोरोना विषाणु से फैली वैश्विक महामारी पूरी दुनिया के लिए खतरा बनी हुई है। अभी न तो इसका कोई माकूल इलाज खोजा जा सका है और न ही इस विषाणु के मानव शरीर में प्रविष्ट होने का मूल कारण। इंसान अपने-अपने घरों में बंद है। ह्यविकासह्ण नामक आधुनिक अवधारणा और असुरक्षा के नाम पर हथियारों की होड़ नेपथ्य में है। कभी युद्ध में अपने विरोधियों का खून बहाने के लिए इस्तेमाल होने वाले हथियारों को बनाने वाले कारखाने इंसान का जीवन बचाने के उपकरण बना रहे हैं। इंसान अपने भविष्य के प्रति चिंतित है। वहीं प्रकृति जो कि अभी तक अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही थी, अब सुकून की सांस ले रही है।

देश के पचासी से अधिक शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक बीते एक हफ्ते से लगातार सौ से नीचे चल रहा है। यानी इन शहरों में हवा अच्छी श्रेणी की है। बंदी के दौरान प्रदूषण के कारक धूल कण पीएम 2.5 और पीएम 10 की मात्रा में पैंतीस से चालीस फीसद गिरावट आई है। कॉर्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन, सल्फर ऑक्साइड और ओजोन के स्तर में भी कमी दर्ज की गई। यह स्तर बारिश में भी नहीं रहता है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. डी. साहा का कहना कि 2014 में जबसे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बनाया जा रहा है, ऐसा पहली बार है जब प्रदूषण न्यूनतम स्तर पर है। पंजाब के लुधियाना से हिमचाल प्रदेश की हिमच्छादित-उत्तुंग पर्वतमाला की दूरी भले दो सौ किलोमीटर हो, लेकिन आज दमकते नीले आसमान की छतरी तले इन्हें आराम से देखा जा सकता है। जो प्रवासी पंछी अपने घर जाने को तैयार थे, वे अब कस्बों-गांवों की पोखरों पर कुछ और दिन रुक गए हैं। हिंडन जैसी नदी, जहां पिछले दस सालों में आक्सीजन की मात्रा शून्य थी, अब कुछ मुस्कुरा रही है। जिन नदियों में जल-जीव देखे नहीं जा रहे थे, उनके तटों पर मछली-कछुए खेल रहे हैं। सबसे सुकुन में समुद्र है। अब उसकी छाती को चीर कर पूरे जल-गर्भ को तहस-नहर करने वाले जहाज थमे हुए हैं। अधिक मछलियों के लालच में मशीनी ट्राले चल नहीं रहे, तो मछलियों का आकार भी बढ़ रहा है और संख्या भी। जहाजों का तेल न गिरने से अन्य जल-जीवों को सुकून मिल रहा है।

बंदी से भले एकबारगी लगता हो कि देश की अर्थव्यवस्था का पहिया थम गया है, पर बारीकी से देखें तो इससे मानवीय सभ्यता को नई सीख भी मिली है। यातायात के साधन और कारखाने बंद होने से वायु प्रदूषण और सड़क दुर्घटना में हर दिन औसतन पांच सौ लोगों की मृत्यु का आंकड़ा थम गया है। इनके इलाज में होने वाले हर दिन के करोड़ों रुपए के खर्च पर विराम लगा और वाहन न चलने से विदेश से कच्चा तेल खरीदने पर विदेशी मुद्रा के खर्च को भी राहत। सभी जानते हैं कि बीते दो दशकों में विश्व की सबसे बड़ी चिंता धरती का बढ़ता तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन है। कार्बन की बढ़ती मात्रा दुनिया में भूख, बाढ़, सूखे जैसी विपदाओं को न्योता देता है। पेड़, प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से हर साल कोई सौ अरब टन यानी पांच फीसद कार्बन वातावरण में पुनर्चक्रित करते हैं। वह इन दिनों भरपूर मात्रा में हो रहा है। प्रकृति में कार्बन की मात्रा बढ़ने का प्रमुख कारण है बिजली की बढ़ती खपत। हमारे द्वारा प्रयोग में लाई गई बिजली ज्यादातर जीवाश्म ईंधन (कोयला, प्राकृतिक गैस और तेल) से बनती है। ईंधनों के जलने से कार्बन डाइऑक्साइड निकलता है। हम जितनी ज्यादा बिजली का इस्तेमाल करेंगे, उसके उत्पादन के लिए उतने ही ज्यादा ईंधन की खपत होगी और उससे उतना ही ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होगा। फिर धरती पर बढ़ती आबादी और उसके द्वारा पेट भरने के लिए उपभोग किया गया अन्न भी कार्बन बढ़ोतरी का बड़ा कारण है। खासकर तब जब हम तैयार खाद्य या फिर ऐसे पदार्थ खाते हैं, जिनका उत्पादन स्थानीय तौर पर न हुआ हो।

जलवायु परिवर्तन या तापमान बढ़ने का बड़ा कारण विकास की आधुनिक अवधारणा के चलते वातावरण में बढ़ रही कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा है। हार्वर्ड टीएच चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की ताजा रिपोर्ट बताती है कि इससे हमारे भोजन में पोषक तत्वों की भी कमी हो रही है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि धरती के तापमान में बढ़ोतरी खाद्य सुरक्षा के लिए दोहरा खतरा है। आईपीसीसी समेत कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों में इससे कृषि उत्पादन घटने की आशंका जाहिर की गई है। इससे लोगों के समक्ष खाद्य संकट पैदा हो सकता है। मगर नई रिपोर्ट और बड़े खतरे की ओर आगाह कर रही है। दरअसल, कार्बन उत्सर्जन से भोजन में पोषक तत्वों की कमी हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार कार्बन उत्सर्जन में बढ़ोतरी के कारण चावल समेत तमाम फसलों में पोषक तत्व घट रहे हैं।

जब पूरी दुनिया में कल-कारखाने, वाहन बंद हो गए, तो अचानक कार्बन उत्सर्जन की मात्रा पांच फीसद घट गई। इसके कारण देश और दुनिया की हवा भी स्वच्छ हो गई है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से पहली बार कार्बन उत्सर्जन का स्तर इतना गिरा है। मानवीय दखल के कारण तेजी से दूषित हो रही प्रकृति ने चेतावनी दी है कि उसके साथ ज्यादा खिलवाड़ हुआ तो उसका नतीजा ठीक नहीं होगा। यह किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया यायातात प्रबंधन, जाम, औद्योगिक प्रदूषण, जल की गुणवत्ता आदि दिक्कतों से जूझ रही है और इसके मशीनी निदान पर हर साल अरबों डॉलर खर्च होते हैं। कोरोना ने बता दिया कि मशीनों के अतार्किक उपयोग पर रोक लगेगी, तभी प्रकृति नैसर्गिक बनी रहेगी। क्या दफ्तर का बड़ा काम घर से हो सकता है? क्या स्कूल में बच्चों का हर रोज जाना जरूरी नहीं? क्या समाज के बेवजह विचरने की आदत पर नियंत्रण हो सकता है? ऐसे कई सवाल और प्रकृति-शुद्धिकरण के विकल्प ये दिन सुझा रहे हैं। यह सही है कि धरती पर कोई भी तूफान न तो स्थायी होता है और न अंतिम, लेकिन इस बार की त्रासदी ने जता दिया कि धरती की प्राथमिकता हथियार नहीं, वेंटिलेटर हैं, सेना से जरूरी डॉक्टर हैं। आम इंसान को भी घरों में बंद रहने के दौरान समझ आ गया कि हमारे पास जितना है, उतने की जरूरत नहीं, जरूरत है तो मानवीय संबंधों के प्रति संवेदना की।

कोरोना आपदा

दुनिया में कोरोनावायरस का प्रभाव और इलाज अलग अलग ?

सनत जैन

सारी दुनिया के देशों में लॉकडाउन चल रहा है। लोग अपने घरों में कैद हैं। सारी आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक गतिविधियां ठप्प हो गई हैं। चीन से कोरोनावायरस शुरू हुआ था। वहां की सरकार का दावा है, उसके यहां संक्रमित मरीजों की संख्या 81 हजार 865 तथा मृतकों की संख्या 3335 है। यह भी कहा जाता है कि चीन ने अपने आंकडे छुपाए हैं। कोरोनावायरस से इटली में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। यहां पर संक्रमित मरीजों की संख्या 1 लाख 39422 तथा मृतकों की संख्या 17669 है। दूसरे नंबर पर अमेरिका में संक्रमित लोगों की संख्या 4 लाख 35160 तथा मृतकों की संख्या 14797 है।तीसरे नंबर पर स्पेन जहां संक्रमित लोगों की संख्या 1 लाख 48220 तथा मृतकों की संख्या 14792 है। चौथे नंबर पर फ्रांस है,जहां पर संक्रमित मरीजों की संख्या 1 लाख 12950 तथा मृतकों की संख्या 10869 है। 5 वें नंबर पर ब्रिटेन है, जहां संक्रमित मरीजों की संख्या60733 और मृतकों की संख्या 7097 है।छठवें नंबर पर ईरान है, जहां संक्रमित मरीजों की संख्या 64586 तथा मृतकों की संख्या 3993 है।7वें नंबर पर जर्मनी है, जहां संक्रमित मरीजों की संख्या 1 लाख 13296 तथा मृतकों की संख्या 2349 है जहां कोरोनावायरस से संक्रमित मरीजों की मौत के सबसे ज्यादा आंकड़े सामने आए हैं। भारत में अभी तक 5274 लोग संक्रमित पाए गए हैं। उनमें 410 मरीज ठीक हो चुके हैं। 160 लोगों की मौत हुई है। भारत में कोरोना वायरस का संक्रमण विदेशों से आए लोगों द्वारा फैलाया गया है। 15 मार्च तक सरकार ने इनकी जॉच में कोताही बरती। जिसके कारण भारत में यह महामारी फैली। शुरू शुरू में यह पाया गया था, कि यह बीमारी बुजुर्गों और बच्चों को बड़ी तेजी के साथ लगती है। लेकिन कई देशों के युवा भी बड़ी संख्या में इस बीमारी के शिकार हुए हैं। दिसंबर 2019 में चीन से शुरू हुआ यह कोरोनावायरस, अप्रैल 2020 तक सारी दुनिया में फैल गया है। इसको लेकर सारी दुनिया मैं हड़कंप मचा हुआ है। दुनिया के लगभग सभी देशों में कामकाज बंद हो गया है। लोग घरों में कैद हैं। लगभग सभी देशों की अर्थव्यवस्था बड़ी तेजी से गिरी है। जिसके कारण आज दुनिया की सबसे बड़ी प्राथमिकता कोरोनावायरस से निपटने की है। अमेरिका के जॉन हापकिंस ब्लूमबर्ग स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ के शोधकताओं के अध्ययन में सामने आया है, कि जिन देशों में बीसीजी के टीके लगे थे। वहां पर अन्य देशों के मुकाबले कोरोनावायरस की मृत्यु दर 6 गुना कम है। यह वैक्सीन टीबी जिसे भारत में क्षय रोग या (ट्यूबरक्लोसिस) के नाम से जाना जाता है। क्षय रोग को नियंत्रित करने के लिए टीके लगाए गए थे। इस टीके के कारण प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत पाया गया। दूसरे देशों के मुकाबले उन देशों में कोरोनावायरस से मरने वालों की संख्या काफी कम है। टीका लगने वालों का प्रतिरक्षा तंत्र काफी मजबूत पाया गया। उल्लेखनीय है शोधकताओं ने दावा किया है कि बीसीजी टीके का 60 साल तक शरीर में प्रभाव बना रहता है। भारत और अफ्रीकी देशों में इस वैक्सीन का व्यापक स्तर पर उपयोग में लाया गया था। बच्चों को जन्म के बाद ही इस टीके को लगाया गया था। यदि यह सही है, तो भारत को कोरोनावायरस के संक्रमण से जल्द ही निजात मिल जाएगी। कोरोनावायरस से उन लोगों की मृत्यु की संभावना कम है, जिन्हें बीसीजी के टीके लगे हैं। इसके बाद भी सावधानी जरूरी है। शोधकताओं का कहना है कि अभी यह प्रारंभिक अध्ययन है। इसके संबंध में अभी और भी ट्रायल तथा शोध की जरूरत है। यह ट्रायल तब तक चलेगी, जब तक कोरोनावायरस के संक्रमण से सारी दुनिया को मुक्ति नहीं मिल जाती है। शोधकताओं की मानें तो अमेरिका ब्रिटेन स्पेन इटली जैसे देश में जब टीबी के मामलों में कमी आ गई थी। उसके बाद यहां पर वैक्सीन देना बंद कर दिया गया था। जिसके कारण इन देशों में मृत्यु की दर सबसे ज्यादा है। चिकित्सा के मामले में भारत में आयुर्वेदिक चिकित्सा में सबसे पुराने लिखित उपचार की विधि और प्रमाण हैं। आयुर्वेदिक में माना जाता है, कि हर मरीज के लिए अलग-अलग इलाज होता है। जो उसके खाने-पीने और वह किस क्षेत्र में रहता है। प्रत्येक मरीज को वात पित्त और कफ के असंतुलन के आधार पर मरीज का सही इलाज किया जा सकता है। कोरोनावायरस गले में 3 दिनों तक विकसित होता है। इसके बाद वह स्वास नली को चौक कर देता है। जिसके कारण फेफड़ों को ऑक्सीजन नहीं मिलने से मरीज की मौत हो जाती है। इस बीमारी को पूरी तरह से फैलने में लगभग 14 दिन का समय लगता है। प्रत्येक मरीज की इम्यून सिस्टम के ऊपर निर्भर होता है। भारत में गले के इन्फेक्शन में नमक के पानी के गरारे, हल्दी डालकर गरारे करने तथा आयुर्वेदिक काढ़ा, जिसमें लोंग, काली मिर्च, अदरक, तुलसी के पत्ते, दालचीनी, गुड, सेंधा नमक इत्यादि के माध्यम से गले के इंस्पेक्शन का इलाज होता रहा है। भारत के खाने में, मसालों का बड़े पैमाने पर उपयोग होता है। कोरोनावायरस के मामले में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति भी काफी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। इसी तरह से सारी दुनिया के देशों का खानपान उनकी चिकित्सा पद्धति और उनका इम्यून सिस्टम अलग अलग है। ऐसी स्थिति में कोरोनावायरस के संक्रमण को लेकर विश्व स्तर पर, विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जो गाइडलाइन जारी की जा रही है। वह हर देशों के लिए उपयुक्त हो यह सही नहीं है। सबसे बड़ी चिंताजनक बात यह है कि भारत जैसे देश में आंख बंद करके विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइडलाइन का ही पालन किया जा रहा है। इससे ज्यादा मौतें और आर्थिक नुकसान हो सकता है। पिछले 70 वर्षों में एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति ने एक बाजार का रूप अख्तियार कर लिया है।अब बिना दवाइयों के जीना मुश्किल हो गया है। भारत जैसे देश में भोजन से ज्यादा जरूरी, करोड़ों लोगों के लिए नियमित रूप से दवाइयां खाना जरूरी है। ऐसी स्थिति में हमें विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइडलाइन, एलोपैथिक इलाज के साथ आयुर्वेदिक इलाज के हजारों वर्षों पुराने ज्ञान और भारतीय चिकित्सा पद्धति को अपनाते हुए, कोरोनावायरस संक्रमण का मुकाबला करने पर बेहतर परिणाम मिल सकेंगे। सारी दुनिया में जब प्लैग फैली। उस समय भारत ब्रिटिश सरकार के अधीन था। उस समय तक एलोपैथी चिकित्सा का भारत में उपयोग नहीं होता था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई किस्म के टीके पिछले 100 वर्षों में विकसित कर विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए तैयार कर सारी दुनिया के देशों में लगवाया।

कोरोनावायरस से दुनिया के लगभग 200 देश भयाक्रांत हैं। कोरोनावायरस की रोकथाम और इलाज के लिए सारी दुनिया के देशों में बड़े पैमाने पर शोध शुरू हो गए हैं। दुनिया के सभी देशों में कोरोना वायरस से पीड़ित मरीजों, उनके इलाज और उनकी मौत को लेकर अलग-अलग तथ्य सामने आए हैं।

मृत्यु का आहास

वक्त संहार का हैं
पापियों का विनाश हैं,
क्यों दुआ करु की
सब रुक जाए,
किये हैं जो दुष्कर्म
मानव भी तो उनका
फल पाए।
जी रहे थे जो
अब तक
अपने वक्त पर
घमंड कर।
उनको भी तो
मृत्यु का अहसास आए।
ईश्वर के नाम पर
किये जो बुरे कर्म
मरते-मरते उनका भी तो
हिसाब दिए जाए।
अभी तो और
अट्टहास करेगी मृत्यु
वक्त है अभी भी
मानव तू सुधार जा
नही तो महाविनाश
अभी भी जारी है।

राजीव डोगरा विमल
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश (युवा कवि लेखक)
(भाषा अध्यापक)
गवर्नमेंट हाई स्कूल,ठाकुरद्वारा।

इंतजार

इंतजार क्या है?
इंतजार से पूछो इंतजार क्या है?
इंतजार क्या है
मुझसे पूछो ?
उसके आने से पहले भी
उसका इंतजार था,
उसके आने पर भी
उसका ही इंतजार है,
उसके पास बैठने पर भी
उसका ही इंतजार था ,
उसके साथ चलने पर भी
उसका ही इंतजार है,
उसके जाने के बाद भी
उसका ही इंतजार है ,
आज भी उसका इंतजार है,
जीवन के अंतिम क्षणों तक
उसका ही इंतजार रहेगा ।।

अमित डोगरा,
पी.एचडी शोधकर्ता श,गुरु नानक देव विश्वविद्यालय,
अमृतसर

अखबारों से कोरोना संक्रमण की आशंका कोरी अफवाह

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया पर इस समय कोरोना नामक महामारी कहर बनकर टूट रही है। इससे अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा है और उद्योग क्षेत्र भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। खासतौर पर पहले से ही इलैक्ट्रॉनिक तथा डिजिटल मीडिया की चुनौतियों से जूझ रहे प्रिंट मीडिया की तो कोरोना ने कमर ही तोड़ दी है। स्थिति यह हो गई है कि देश के कई शहरों में अखबारों का वितरण बंद हो गया है और इसी कारण कई अखबारों को अपना प्रकाशन बंद करना पड़ा है या कुछ संस्करण बंद कर दिए गए हैं अथवा मजबूरन पृष्ठों की संख्या कम करनी पड़ी है।

कई अखबारों और पत्रिकाओं को अपने प्रिंट संस्करण बंद करते हुए केवल डिजिटल संस्करणों का सहारा लेना पड़ रहा है। दरअसल बहुत सारे आवासीय परिसरों में लोगों ने हॉकरों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है और बहुत सारे स्थानों पर हॉकरों ने स्वयं भी अखबार बांटना बंद कर दिया है। इसका एक बड़ा कारण अखबारों से कोरोना फैलने को लेकर सोशल मीडिया पर व्यापक स्तर पर उड़ी अफवाहें रही हैं, जिनमें कहा जाता रहा कि अखबारों तथा पत्रिकाओं के जरिये भी कोरोना फैल सकता है। यही वजह रही कि लोगों ने अपने हॉकरों से अखबार लेने से इन्कार कर दिया और भारत में अखबारों की बिक्री में 60 से 80 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। सोशल मीडिया पर तेजी से फैलती फर्जी खबरें और जानकारियां समाज के ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने का कार्य करती हैं। ऐसे में अखबार और पत्रिकाएं समाज में फैलने वाली ऐसी अफवाहों के खिलाफ एक मजबूत हथियार की भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन भारत में फर्जी खबरें फैला-फैलाकर ऐसा माहौल बना दिया गया है कि लोगों ने इनके झांसे में आकर पत्र-पत्रिकाओं से दूरी बना ली है। मेदांता अस्पताल के चेयरमैन तथा भारत के प्रमुख हृदय शल्य चिकित्सक डा. नरेश त्रेहन ने स्पष्ट किया है कि अखबार से कोरोना संक्रमण के प्रसार की आशंका केवल अफवाह मात्र ही है। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन का भी दावा है कि अखबार की डिलीवरी से कोरोना वायरस के संक्रमण फैलने की संभावना न के बराबर है। प्रधानमंत्री सहित दुनियाभर के तमाम स्वास्थ्य विशेषज्ञ बार-बार स्पष्ट कर चुके हैं कि कोरोना संक्रमण अखबारों और पत्रिकाओं के जरिये नहीं फैलता। केन्द्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने भी कहा है कि अखबार पढ़ने से कोरोना नहीं फैलता, इसे पढ़ने के बाद हाथ धोना ही काफी है लेकिन सोशल मीडिया पर अखबारों से कोरोना फैलने को लेकर अफवाहों का बाजार इस कदर गर्म कर दिया है कि कोरोना के भय से बहुत सारे लोगों ने अखबार और पत्रिकाएं पढ़ना ही छोड़ दिया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा पिछले दिनों सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे गए पत्र में कहा गया था कि लोगों में जागरूकता पैदा करने और उन तक सही सूचनाएं पहुंचाने के लिए अखबारों की छपाई और उनका वितरण बेहद जरूरी है। इसी से फर्जी खबरों और अफवाहों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। राज्य सरकारों से इसमें सहायता की अपील भी की गई थी लेकिन उसके बावजूद इस समय प्रिंट मीडिया के समक्ष बहुत बड़ा संकट मौजूद है। एक ओर जहां प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों अखबारों की सराहना करते हुए कहा था कि महामारी के समय में अखबार जनता और प्रशासन के बीच पुल का काम करते हैं, वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित दुनियाभर के तमाम वैज्ञानिकों और चिकित्सकों ने कहा है कि अभी तक दुनिया में कहीं भी ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई है, जिसमें अखबार से कोरोना वायरस का प्रसार देखा गया हो। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) में महामारी विज्ञान की प्रमुख निवेदिता गुप्ता के मुताबिक कोरोना श्वसन तंत्र का संक्रमण है और अखबार छूने से इसके फैलने का कोई खतरा नहीं है। अधिकांश चिकित्सकों का एक स्वर में यही कहना है कि अखबारों या पत्रिकाओं को असुरक्षित कहने का कोई तर्क नहीं है। हां, यदि आप भीड़-भाड़ वाली जगहों पर अखबार पढ़ रहे हैं तो संक्रमण फैलने का खतरा ज्यादा है लेकिन इसका कारण अखबार नहीं बल्कि सामाजिक दूरी नहीं बनाए रखना ही है। यही वजह रही कि पूरी दुनिया में कहीं भी कोरोना संक्रमण के भयानक कहर के बाद भी लोगों ने अखबार पढ़ना बंद नहीं किया गया। संक्रामक बीमारियों पर महाराष्ट्र सरकार के तकनीकी सलाहकार डा. सुभाष सालुंके के अनुसार जो देश कोरोना महामारी से सर्वाधिक प्रभावित हैं, वहां भी अखबारों का प्रसार बंद नहीं हुआ क्योंकि अखबारों को छूना पूर्णतया सुरक्षित है। दुनियाभर के तमाम वायरोलॉजिस्ट का कहना है कि जब आप अखबार को छूते हैं तो संक्रमण फैलने की आशंका लगभग ना के बराबर होती है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के निदेशक सुजीत सिंह के मुताबिक शोध करने वाले वायरलॉजिस्टों को ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला है कि कोरोना वायरस कागज पर सक्रिय या जीवित रह सकता है। विश्वभर में संक्रमण रोगों के विशेषज्ञों का साफतौर पर कहना है कि इस बात के अभी तक कोई प्रमाण नहीं हैं कि अखबार और पैकेज संक्रमण फैला सकते हैं। यूएस सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक जीवित कोशिकाओं के बाहर अधिकांश सतहों पर कोरोना वायरस ज्यादा समय तक जिंदा नहीं रहता है।

विधायक संजीव सिंह ने नगरपालिका कर्मचारियों की कोरोना वायरस एजेण्डा पर ली बैठक

नपा कर्मचारी पूर्ण ईमादारी से करें सर्वे : विधायक संजीव सिंह

प्रदीप सिंह राजावत ब्यूरो

भिण्ड। विधायक संजीव सिंह ने नगरपालिका कर्मचारियों को कोरोना एजेण्डा पर बैठक ली बैठक के दौरान विधायक कुशवाह ने कोरोना के दौरान उत्पन्न हो रही समस्याओं के बारे में बताया तथा उन पर जल्द ही कार्यवाही करने के निर्देश दिए बैठक में एसडीएम मोहम्मद इकबाल, नगरपालिका सीएमओ ज्योति सिंह तथा नपा अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में विधायक कुशवाह ने कहा कि नपा कर्मचारियों द्वारा जो सर्वे हुआ है वो सही नहीं हुआ। आज भी कई ऐसे लोग है जो सर्वे की सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं। कुछ मौहल्ले ऐसे हैं जिनमें अभी तक किसी कर्मचारी ने सर्वे नहीं किया। सर्वे के दौरान ये देखना है कि जिन लोगों में पास बीपीएल है लेकिन उनके पास पर्ची नहीं हैं उन्हें राशन नहीं मिल पा रहा है उनका भी नाम पात्रता सूची में शामिल किया जाए इस सम्बन्ध में मैंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी से भी बात की थी तो उन्होंने पर्ची लगाने के निर्देश दे दिए हैं। जल्द ही उनकी भी पर्चियां आ जायेंगी। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि जो लोग वास्तविक गरीब है और उनके बीपीएल कार्ड नहीं बने हैं। उन्हें भी पात्रता सूची में रखा जाए।

सर्वे के दौरान अगर किसी वार्ड का गरीब, मजदूर व्यक्ति छूट गया तो उस वार्ड में नियुक्त किए गए सर्वे कर रहे कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही विधायक कुशवाह ने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा जो राशन वितरण किया जा रहा है वो सरकारी गाड़ी में रखा जाए और उसमें एक शासकीय कर्मचारी बैठाया जाए जिससे राशन वितरण में पारदर्शिता लायी जाए। इसी क्रम में जामना रोड निवासियों को आ रही समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए विधायक कुशवाह ने कहा कि वहां पर भोजन और राशन की पूर्ण व्यवस्था कराई जाए साथ ही जिन लोगों के मवेशी पाल रखे हैं उनके लिए भूसा, चारा के लिए भी बंदोबस्त किया जाए। भोजन, और राशन में आ रही दिक्कतों के लिए कर्मचारियों और गाडियों की संख्या बढ़ा दी जाए एक- दो गाडियों से शहर भर में राशन नहीं बंट पा रहा है। और लोग परेशान हो रहे हैं। इसी क्रम में कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए वार्डों में जो सैनेटाइजेशन किया जा रहा है वो पूर्ण रूप से नहीं हो पा रहा है वार्ड 09,10,11,19,24,25,26,35, 39 वार्डों का विस्तार अधिक है उनमें गाडियों से सैनेटाइजेशन करने के लिए सीएमओ ज्योति सिंह को निर्देश दिए। पत्रकारों से चर्चा के दौरान विधायक कुशवाह ने कहा कि हम सभी कोरोना से जारी जंग से लगातार लड़ रहे हैं। जनता प्रशासन का सहयोग करें जिन लोगों तक मास्क, सैनेटाइजार भोजन नहीं पहुंच रहा है उनके बीच हमारी टीम पहुंचकर भोजन और दवायें वितरण करा रही है। मैंने शासन को अपनी एक माह की राशि राहत कोष में दान कर दी है इसके अलावा मैं एक वर्ष तक अपनी वेतन का तीस प्रतिशत हिस्सा शासन की राहत कोष में दान करूंगा। साथ ही जनता से अपील की है कि आप सोशल डिस्टेंस और होम स्टे करें जिस प्रकार की भी परेशानी आपको होती है तो आप बेझिझक जिला प्रशासन और मुझे अवगत करायें आपका सहयोग किया जायेगा।

साची ब्लाक के मेडिकल अधिकारी ने दी विस्तार पूर्वक जानकारी दी

राजेश लोधी ब्यूरो

रायसेन। साची ब्लाक के मेडिकल अधिकारी श्री मथुर डॉक्टर साहब से विशेष कोरोना वायरस नामक खतरनाक बीमारी के लक्षण व इस खतरनाक बीमारी के सम्बंध मे विस्तार पूर्व जानकारी दी पिरपत की कोरोना वायरस नामक खतरनाक बीमारी के सम्बंध डॉक्टर बताया कि स्थानीय व सम्पूर्ण साची ब्लाक मे कोरोना वायरस नामक खतरनाक बीमारी से आम जनता को बचाने के लिए हमारे यहा तीन स्तर पर टीम काम कर रही है एक टीम स्थानीय अस्पताल मे काम कर रही है दूसरी टीम ब्लाक स्तर पर व तीसरी गांव नगर कस्बा मे काम कर रही है इन टीमो मे स्थानीय डॉक्टर स्टाफ स्थानीय आशा कार्यकर्ता आंगनबाड़ी केंद्र के कार्यकर्ता को शमिल किया गया है जो निरंतर छेत्र मे आम जनता के सम्पर्क मे है अभी तक हमारे ब्लाक मे 1150 का चेक अप व जांच कि गई है वर्तमान समय तक साची ब्लाक मे एक व्यक्ति कि कोरोन कि पोजिटिव नही आई है एक भी व्यक्ति को कोरोन नामक खतरनाक बीमार से पीड़ित नही है आगे डॉक्टर मथुर साहब ने छेत्र कि आम जनता से आपने कि सभी आम जनता जहा तक हो घर पर ही रहे अपने अपने हाथो को साबुन निरमा सनीटाइजार से धोते रहे है अपने मुँह पर मक्स लगाए ओर एक दूसरे से बात करते समय तीन फिट दूर से ही बात करे ऐ उपाय व नियम ही कोरोन वायरस नामक खतरनाक बीमार से बचाव से सुरक्षित रह सकते है।

पूर्व प्राचार्य चरन सिह तोमर ने अम्बाह एसडीएम को मुख्य मंत्री राहत कोष में दिया चैक...

अम्बाह... बरिष्ट समाज सेबी व पूर्ब प्राचार्य चरन सिह ने आज राहत आपदा कोष मे उन जरूर बन्धो के लिये 5100 रूपये का चैक एसडीएम बिनोद सिह को दिया लोक डाउन में आम जनता की सेवा सुरक्षा के लिये दिन रात कार्य कर रहे एसडीएम श्री विनोद सिंह जी व तहसीलदार श्री सर्वेश यादव जी एव अन्य कर्मचारियों का शाल श्रीफल , एव उनकी सुरक्षा हेतू मास्क सेनिटाइजर स्वाफी रूमाल देकर उनका सम्मान, उत्साहवर्धन किया । और बताया की भारत मे तेज़ी से फैल रही है वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव के लिये सम्पूर्ण देश मे लॉक डाउन किया गया है जिसका हमे पालन करना चाहिए। समाजसेवी डा. मनोज मण्डल ने कहा सड़को पर आम जनता की सेवा ,सुरक्षा का पूर्ण दायित्व शासन प्रशासन पर है अधिकारी अपनी जान की परवाह न करते हुए कार्य कर रहे है हम सभी को उनका सम्मान करना चाहिए और नियम निर्देश का पालन करना चाहिए इस आयोजन में देबेश शर्मा (बन्टी) देबेन्द्र सखबार ने सभी को मास्क लगाकर बाहर निकलने के लिये आग्रह किया।

15 अप्रैल से शुरु कराई जाएगी सोसायटी पर गेहू की खरीदी: कलेक्टर

श्योपुर। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा है कि जिले के 59 उपार्जन केन्द्रो पर गेहू की खरीदी 15 अप्रैल 2020 से शुरू कराई जावेगी। जिसके अंतर्गत पंजीकृत किसान को एसएमएस मिलने पर अपनी फसल बेचने खरीद केन्द्र पर जायेगे। मंडियों में भी खरीदी का कार्य 15 अप्रैल से ही प्रारंभ होगा। जिसके लिए मंडी माल बेचने के लिए टोकन व्यवस्था की गई है। इस टोकन को प्राप्त कर अपनी फसल टोकन की तिथिवार बेच सकेगे। वे आज कलेक्टर कार्यालय श्योपुर के सभागार में उपार्जन वर्ष 2020-21 के अंतर्गत खरीदी कार्य के लिए की गई व्यवस्थाओ की समीक्षा कर रही थी।

पंजीकृत किसान ही एसएमएस के माध्यम से केन्द्र पर जायेगे, मंडियों में भी खरीदी इसी तिथि से प्रारंभ होगी, मंडी में माल बेचने हेतु टोकन की व्यवस्था

बैठक के सीईओ जिला पंचायत हर्ष सिंह, अपर कलेक्टर एसआर नायर, एसडीएम श्योपुर रूपेश उपाध्याय, वीसी के माध्यम से कराहल एसडीएम विजय यादव, वियजपुर त्रिलोचन गौड़, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम डीएस कटारे, उपायुक्त सहकारिता आरएस द्विवेदी, जिला आपूर्ति अधिकारी एनएस चैहान, एलडीएम सुरेन्द्र पाठक, डीआईओ कपिल पाटीदार, मंडी के सचिव एसपी सिकरवार एवं खरीदी कार्य से संबंधित अन्य विभागीय अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उपार्जन कार्य के अंतर्गत किसानो से क्रय किये जाने वाले गेहू खरीदी के लिए 01 लाख 10 हजार के स्टोरेज की व्यवस्था व्हयेर हाउस, पीडीएस दुकानो पर की जावेगी। उन्होने कहा कि सभी खरीदी केन्द्रो पर हम्मवाल, तुलावटी की व्यवस्था स्थानीय एवं अन्य स्तर से शीघ्र सुनिश्चित की जावे। साथ ही खरीद केन्द्रो पर बारदाना पहुचाया जावे। उन्होने कहा कि खरीदी केन्द्र से संबंधित मैपिंग के कार्य की समीक्षा की जावे। उन्होने कहा कि कृषि उपज मंडियो में भी 15 अप्रैल से किसानो की रबी फसल को खरीदने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस व्यवस्था को बनाने की दिशा में क्षेत्रीय एसडीएम अपने स्तर से बैठक आयोजित कर किसानो को तिथिवार 12 अप्रैल से टोकन देने की व्यवस्था प्रारंभ करें। कलेक्टर ने कहा कि कोरोना वायरस कोविड-19 के अंतर्गत जिले में टोटल लॉकडाउन जारी किया गया है। जिसके मद्देनजर उपार्जन केन्द्र एवं मंडियों मे सोशल डिस्टेसिंग का पालन सुनिश्चित कराया जावे। उन्होने कहा कि गेहू खरीदी के अलावा चना, सरसो, मसूर की खरीदी के लिए कुहांजापुर खरीद केन्द्र की समीक्षा की जाकर इस केन्द्र को कृषि मंडी श्योपुर से जोडने की व्यवस्था की जावे। इसी प्रकार उपार्जन केन्द्र बढाने की दिशा में बडी पंचायतो में भी खरीदी कार्य कराने की दिशा में विभागीय अधिकारी विचार कर सकते है। जिसका भी रि-मैपिग कार्य शीघ्र पूरा कराया जावे। उन्होने कहा कि मंडियों में अस्थाई रूप से केन्टीन की व्यवस्था सुनिश्चित की जावे। जिससे आने वाले किसान नाश्ता, भोजन की सुविधा प्राप्त कर सकें। उन्होने कहा कि जिले के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, नायब तहसीलदार खरीदी कार्य पर सतत् निगरानी रखेगे।

कोरोना का कहर....केंद्र द्वारा आवंटित सहायता राशि ऊंट के मुंह में जीरा भी नहीं, राशि बढ़ाई जाए–अरुण यादव

भोपाल। पूर्व केंद्रीय मंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के कहर से जूझ रहे समूचे देश में निरंतर बढ़ रही मरीजों, मृतकों की संख्या व अथक प्रयासों के बाद भी स्थिति नियंत्रित न होने पाने पर चिंता जाहिर की है। यादव ने इस बाबद केंद्र द्वारा आवंटित सहायता राशि को भी ऊंट के मुंह में जीरा भी नहीं बताते हुए इसमें बढ़ोत्तरी की मांग की है।यादव ने कहा कि वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष -2020-2021 में 30,42,230 करोड़ रु. का बजट बताया है। कोरोना महामारी से निपटने के लिए मोदी सरकार ने 15,000 करोड़ की राशि सहायता राशि स्वीकृत की है,जो महामारी की भयावहता को देखते हुए कुल बजट का 1 प्रतिशत भी नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की कुल आबादी 1अरब 35 करोड़ है,यानी राज्यों में प्रति व्यक्ति 11/- रु.(भ्रष्टाचार छोड़कर)खर्च किये जायेंगे,जबकि एक मास्क की कीमत ही 40 से 50 रु. है।

प्रतिबंधित है एविल इंजेक्शन

वैसे तो एविल इंजेक्शन ओर टेबलेट को नशे के लिए प्रयोग किये जाने पर शासन द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया है जहा प्रतिबन्ध के बाद एविल इंजेक्शन व टेबलेट मेडिकल स्टोर पर बिना डॉक्टर के पर्चे के देना वर्जित है इसके बावजूद एविल इंजेक्शन की बिक्री नशे के लिए की जा रही है वो भी गणेशगली निवासी गुल्लों पंढतानी द्वारा घर से एविल इंजेक्शन की बिक्री नशे के लिए किया जाना हैरत का विषय है जहा एविल इंजेक्शन घर से बेचा जाना लोगो को डॉक्टर के पर्चे पर भी एविल इंजेक्शन मिल पाना मुश्किल बना हुआ है वही नशे के लिए घर पर बड़ी आसानी से एविल इंजेक्शन मिलना जांच का विषय है।

एसडीएम गणेश जायसवाल ने लिया ग्रामीण क्षेत्रों का जायजा

राजेश लोधी

मेहगांव- अनुविभागीय राजस्व अधिकारी मेहगांव गणेश जायसवाल ने मेहगांव क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों का दौरा कर लॉक डाउन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पचैरा, शेरसिंह पूरा, कुशवाह का पूरा आदि ग्रामों में भ्रमण कर फसलों की कटाई और लॉक डाउन के हालत में मजदूरों की स्थिति को जाना। यहां रहने वाले अधिकतर लोग मजदूर है। इस दौरान उन्होंने मास्क आदि वितरित भी किये और सैनिटाइजर से लोगों के हाथ धुलवाए और उन्होंने बार बार हाथ धोने मुँह को बिना ढंके न निकलने और अत्यंत आवश्यक कार्य हेतु ही निकलने को कहा है। मजदूरों से फसलों की कटाई का भी जायजा लिया इस दौरान मजदूरों ने भी आश्वस्त किया कि हम फसलों की कटाई आदि के लिये ही बाहर निकलते है हम प्रशासन द्वारा दिये गए निर्देशों का पालन करते हुये पूर्ण सुरक्षा के साथ रहते है। राशन आदि की समस्या भी प्रशासन के सहयोग से उपलब्ध हो गई है। हमने गाँव मे भी सोशल डिस्टनसिंग और बाहर से आने वाले लोगों की जांच भी कराई है।

इंदौर : 14 नए मरीज, 3 मौतें, टाटपट्टी की आलिया सहित 12 स्वस्थ डिस्चार्ज 7

इंदौर। मध्य प्रदेश के हॉटस्पॉट इंदौर में स्थिति नियंत्रण में आती जा रही है। शुक्रवार रात तक 14 नए पॉजिटिव मामले सामने आए हैं जबकि आइसोलेशन वार्ड में भर्ती 12 मरीज पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। डिस्चार्ज होने वालों में टाट पट्टी बाखल की आलिया खान भी थी। यह वही इलाका है जहां मेडिकल टीम पर पथराव किया गया था। शुक्रवार को देर रात तीन मरीजों की मौत हो गई

इंदौर मेडिकल कॉलेज बुलेटिन के बाद मृतकों की संख्या 30–इंदौर शहर में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 30 पहुंच गई है। शुक्रवार शाम तक जहां 4 मौत की पुष्टि हुई थी। वहीं इंदौर मेडिकल कॉलेज ने शनिवार अलसुबह 4 बजे तीन और मौत की पुष्टि की, इसमें से एक की मौत 8 अप्रैल को हुई थी। जबकि दो की मौत 10 अप्रैल को हुई थी।

कुल पॉजिटिव 235, हालत में सुधार 173– शुक्रवार शाम जारी हुए मेडिकल बुलेटिन के अनुसार इंदौर शहर में 14 नए पॉजिटिव रिपोर्ट

सामने आने के बाद कुल पॉजिटिव मरीजों की संख्या 235 हो गई थी जिनमें से 173 मरीजों की हालत में लगातार सुधार हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार 29 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। 7 मरीजों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। इनमें से कुछ मरीजों को कोरोनावायरस के संक्रमण के अलावा कुछ अन्य गंभीर बीमारियां भी है।

इन इलाकों में मिले पॉजिटिव पेशेंट्स– रिपोर्ट के अनुसार उमेश नगर से एक ही परिवार के दो मरीज सामने आए हैं। वहीं तिलक नगर से भी दो मरीज एक ही परिवार के मिले हैं। इसके अलावा नंदन कॉलोनी, परदेसीपुरा, स्कीम नंबर 71, गुमास्ता नगर, लालबाग श्रवण कॉलोनी, पुलिस कॉलोनी, इकबाल कॉलोनी, स्वामीनारायण नगर, विहार कॉलोनी और अहिल्या पलटन से भी एक-एक मरीज सामने आए हैं। कलेक्टर ने अपील की है कि इन इलाकों के सभी लोग घरों से बाहर ना निकले।

शुक्रवार को स्वस्थ हुए 12 मरीज डिस्चार्ज किए गए–आज अरविंदो हास्पिटल से कोरोना के 12 मरीज़ स्वस्थ होकर अपने घरों की ओर रवाना हुए। इनमें टाट पट्टी बाखल की आलिया ख़ान भी शामिल है। आलिया के अतिरिक्त सर्वश्री प्रवीण सोनी, उज़ेर, फ़रीदउल्लाह, आफ़ताब, अमलुद्दीन, इमरान, समीर ख़ान, मोहम्मद अमजद, डॉक्टर आकाश तिवारी, गुलमिन और साकिब भी पूर्ण स्वस्थ होने के बाद शासन प्रशासन और डॉक्टर-नर्सेस की सेवा के लिए दुआ देते हुए अपने घर रवाना हुए हैं।

लॉक डाउन में भी गऊ सेवक कर रहे निराश्रित गौ वंश की सेवा

ग्वालियर। लालटिपारा गौ शाला के संतों के मार्गदर्शन से एवम ग्वालियर के दानदाताओं के

सहयोग से जो संस्थाएं गऊ सेवा क्षेत्र में कार्य कर रही है उनको गऊ माता के लिये भोजन एवम हरे चारे की व्यवस्था की जा रही है लेकिन जब से ये महामारी कोरोना ने दस्तक दी जब लोगो मे इस महामारी का भय पैदा हो गया है जिसकी बजय से प्रशासन भी जी तोड़ मेहनत कर रही है इस महामारी से बचाब के लिये लेकिन बही लोक डाउन में निराश्रित गौ वंश की स्तिथि गम्भीर हो गई है जिनको बाहर न भोजन मिल रहा है और न ही कुछ खाने को ऐसे में बाहर घूम रही गायो को भोजन एवम चारे की व्यवस्था कहा से हो ऐसे में कई समाज सेवी संस्थाओं ने आगे कदम बढ़ाये है जिसमे से युवा जनकल्याण सेवा समिति, गौपाल गौ सेवा समिति, हेल्पिंग हैंड्स फोर स्ट्रेज संस्था, कुंज विहारी सर्व सेवा संस्थान, गौरी गौ सेवा समिति जिन्होंने बेसहारा गऊ वंस किसी प्रकार से कोई भूखा न रहे इस मुहिम को चलाया है जिसमे ग्वालियर शहर में प्रत्येक दिन अलग अलग जगहों पर जाकर गायों को टीम के सदस्य हरा चारा खिला रहे है जब से ये लोक डाउन हुआ है तब से टीम के सदस्य निरंतर अपनी सेवाये दे रहे है। इस गऊ सेवा में कई गऊ सेवक लगे जैसे शेखर तोमर, सुरजीत राजावत, धीरू तोमत, गोविंद बैस, प्रशांत गुप्ता, कुंज विहारी शर्मा, निमिष पराशर, राम राजावत, अरुण तिवारी आकाश जोशी, हरीश मांझी, आशु राजावत, लक्ष्मण यादव, गौरव वर्मा ये वो गऊ सेवक है जो निरंतर अपनी सेवाये दे रहे है दिन रात गऊ सेवको का कहना है कि जब तक शरीर मे है दम मिलकर गऊ सेवा करेंगे हम।

लॉक डाउन कर्फ्यू में 10 के वाइल के वसूले जा रहे 300

कोरोना महामारी के चलते श्योपुर जिले में जिला दंडाधिकारी सुश्री प्रतिभापाल द्वारा तीन दिवस के लिए लॉक डाउन कर्फ्यू घोषित किया गया जहा लॉक डाउन कर्फ्यू के बाद भी श्योपुर नगर में नशे का कारोबार थमने का नाम नही ले रहा है जहा लॉक डाउन कर्फ्यू में नशे के लिए एविल बाइल खरीदने गणेशगली पहुचे अजय राव ने बताया कि गणेश गली निवासी गुल्लों पण्डतानी 10 रुपये के एविल वाइल के 300 रुपये वसूल रही है जहा अजय राव ने यह भी बताया कि काफी लंबे समय से वो रोजाना पण्डतानी से एविल इंजेक्शन खरीद रहा है।

परसों से हो जायेगी सब्जी की व्यवस्था

कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं पुलिस अधीक्षक ग्वालियर नवनीत भसीन को कैट द्वारा लिखे गये पत्र पर सहानुभूति पूर्ण विचार कर आज सब्जी मंडी विक्रेता संघ के साथ बैठक की और शहर में लगभग 10 स्थान चिन्हित कियें गये हैं, जिन पर व्यवस्थित रूप से सब्जी मिलना शुरू हो जायेगी। सभी व्यापारियों एवं नागरिकों की ओर से इस सुचारू व्यवस्था को चलाये जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और जिला प्रशासन के प्रति आभारी हैं।

आवश्यकता है
पुष्पांजली राष्ट्रीय मासिक पत्रिका/ऑनलाइन न्यूज पोर्टल
को भारत के हर राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।
इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।
देश के सभी प्रदेशों मे, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, बिहार, गुजरात, गोवा, झारखंड
कार्यालय: ए-ब्लॉक 404 भाऊ साहब की पोतनिस, इन्क्लेव गुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर
संपर्क: 7999246560, 8269307478
Email-pushpanjalitoday@gmail.com. Web-www.pushpanjalitoday.com

किराना व्यवसाई अपने वाहन से डोर टू डोर करें किराना सप्लाई, एस. डी. एम.

मोहन मांझी

गोहद– कोरोना महासंकट के चलते गोहद नगर पालिका प्रांगण में किराना व्यवसाईयों के थोक व्यापारियों की मीटिंग ली गई जिसमे शासन के आदेशानुसार व कलेक्टर श्री छोटे सिंह के निर्देशन में एस डी एम आर ए प्रजापति एवं सैयद रेहान अली जैदी ने सभी किराना के थोक व्यवसायियों की बैठक में एक दूसरे से विचार विमर्श किया जिसमें मुख्य बिंदुओं पर चर्चा हुई एसडीएम आर ए प्रजापति ने बताया की कोरोना का महा संकट चल रहा है इस समय किसी को भी बाजार में आने की अनुमति नहीं है इस परिस्थिति में

सभी थोक व्यापारी अपने-अपने वाहनों से डोर टू डोर जाकर खाद्य सामग्री जिसमें

आटा दाल शक्कर चावल तेल मसाले नमक आदि खाद्य सामग्री लेकर जाएंगे वाहन के ऊपर एक माइक लगाएंगे जिससे एलाउंसमेंट किया जाएगा कि कोई भी भीड़ एकत्रित न करें उनको उनके घर पर ही राशन दिया जाएगा साथ ही गाड़ी पर चारों ओर बैनर लगाए जाएं जिनमें नाम मोबाइल नंबर और होम डिलीवरी के निर्देश साफ-साफ अक्षरों में लिखे हो अभी अव्यवस्था नगर के सभी वार्डों में की जाए साथ ही गांव गांव में भी डिलीवरी दी जाए इसके लिए व्यापारियों को अपने वाहनों के रजिस्ट्रेशन एसडीएम कार्यालय से उपलब्ध कराए जाएंगे।

ग्वालियर लॉक डाउन में सेवा समर्पण के निरंतर भाव से आन्नद सेवा समिति गरीबों को देरही भोजन....

अमित शर्मा रिपोर्टर

ग्बालियर। लॉक डाउन के सोलवे दिन आनन्द नगर सेबा समिति ष ब्लॉक द्वारा एक हजार गरीवो को दिहाडी पर काम न मिलने व असमर्थ ब्यक्तियो की भोजन ब्यबस्था फैल होचुकी है इसलिय यह समिति निरन्तर भाब से उन जरूरत बन्धो को रोजाना भोजन ब्यबस्था करा रही है और जब तक लोक डाउन रहैगा तब तक निरतर ऐसे ही यह सेबा भाव समिति द्वारा ऐसे ही ब्यबस्था चलती रहैगी और इसमे सेवा भाव का सहयोग कर रहै है अशोक कंसाना, रानू चतुर्बेदी, राकेश निगम, अरबिन्द गुप्ता, भानु ब्यास, आशीष लालवानी, आजाद सरदार, राकेश गुप्ता, कपिल शर्मा, सौरब गुप्ता, नीरज खण्डेलबाल, एवं समिति के सभी लोगो का सहयोग प्राप्त होरहा है...

पुलिस थाना हजीरा जिला ग्वालियर ने 4 शातिर चोर व नकबजन गिरफ्तार कर चोरी गया

2 लाख रुपये का माल बरामद किया

ग्वालियर। नवनीत भसीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर मध्य श्री पंकज पांडेय व नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा ग्वालियर श्री रवि भदौरिया के निर्देशन व पुलिस थाना हजीरा

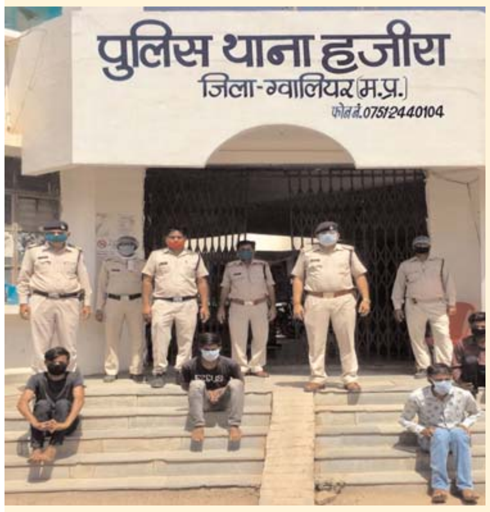

ग्वालियर टी आई आलोक परिहार के नेतृत्व 4 शातिर नकबजन गिरफ्तार कर 2 लाख रुपये का चोरी गया माल बरामद किया। गिरफ्तार किए आरोपी- 1-विकाश कोरी उर्फ मुर्गा उर्फ विक्कू पुत्र हरिनारायण कोरी उम्र 20 साल निवासी पुरानी रेशम मील पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर 2-नारू उर्फ नरेंद्र कोली पुत्र तेजपाल उम्र 26 वर्ष निवासी रसूलाबाद पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर 3- विनोद राठौर पुत्र गोर लाल उम्र 40 वर्ष निवासी माँ वैष्णव पुरम कॉलोनी पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर। 4- बॉबी कुशवाह पुत्र राम नरेश उम्र 20 वर्ष निवासी चंदन पुरा गोपाल मील के पास पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर जब्त माल - 1 फरियादी वीर सिंह गुर्जर पुत्र लक्षमन सिंह उम्र 30 साल निवासी भूरे सिंह वर्मा का मकान माँ वैष्णव पुरम ग्वालियर का दिनांक 5-6 /7/20 की रात माँ वैष्णव पुरम कॉलोनी स्थित मकान का ताला तोड़कर चोरी किया डिब्बा व बर्नी में रखा 11 किलो घी के जूते ,13 राउंड 315 बोर ,6600 रुपये नगद बरामद किया ।फरियादी जब अपना मकान का ताला लगाकर अपने गांव कृषि कार्य से गया था तब रात में ताला तोड़ कर अज्ञात चोरों ने चोरी की थी । 2 - दिनांक 6-7/4/20 की रात फरियादी योगेश कौरव पुत्र लक्ष्मण सिंह कौरव उम्र 34 साल निवासी माँ वैष्णव पुरम कॉलोनी पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर के माँ वैष्णव पुरम कोलोनी स्थित मकान का ताला 2 लोहे की अलमारी तोड़कर चोरी किया सोने चांदी का जेबर एक हार,6 चूड़ी, 4अंगूठी, 2 जोड़ पायजेब, चांदी की बिछिया 36, करधनी आदि बरामद किए फरियादी जब मकान का ताला लगाकर कृषि कार्य से अपने गांव गया था तब अज्ञात चोरों ने वारदात की थी ।

चोरों की टीम का लीडर नारू उर्फ नरेंद्र कोरी थाना हजीरा का ॥स है जिसके विरुद्ध थाना हजीरा ,ग्वालियर जीआरपी झांशी,जीआरपी भोपाल मे हत्या का प्रयाश मारपीट,लूट ,डकैती की तैयारी सहित कई अपराध दर्ज हैं इसका साथी विनोद राठौर भी आदतन अपराधी है जो मोबाइल लूट के मामले में पूर्व में जेल जा चुका है ।विकाश कोरी उर्फ मुर्गा भी शातिर चोर व आदतन अपराधी है ।इनका एक साथी देवेश सिकरवार उर्फ चूहा निवासी रेशममील हजीराअभी फरार है जिसकी तलाश जारी है।चोरों ने अपना अड्डा विनोद राठौर का माँ वैष्णव पुरम कॉलोनी ग्वालियर बनाया था ।यह सभी नशा करने के आदी हैं।पुलिस थाना हजीरा की टीम - टी आई आलोक परिहार ,स्ढ़ अभिलाख सिंह तोमर ,स्ढ़ नरेंद्र छिकारा ,प्रधान आरक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ,आरक्षक गिरजा शंकर मुदगल ,योगेंद्र चौहान ,सुनील लोधी ,कुलदीप तोमर ,जनक सिंह ,लेखराज , शिव सिंह व सैनिक मनोज यादव की मुख्य भूमिका रही । अभी चोरों से पूछताछ जारी है शहर के अन्य थाना क्षेत्र की चोरियों का खुलासा होने की संभावना है ।

नई कवायद/ रेलवे स्टेशन पर लगाई जाएगी

स्प्रे बेस्ड सेनिटाइजेशन टनल, इससे गुजरने वाले यात्री होंगे कोरोना वायरस फ्री

ग्वालियर। 15 अप्रैल से ट्रेनों के संचालन को लेकर भले अब तक रेलवे बोर्ड ने निर्देश जारी नहीं किए। लेकिन रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों और रेल कर्मचारियों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने को नए-नए प्रयोग कर रहा है। ट्रेनों का संचालन शुरू होने पर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म के गेट पर स्प्रे बेस्ड सेनिटाइजेशन टनल लगाने की तैयारी चल रही है। इस टनल से यात्रियों को गुजरना होगा, जिससे वह कोरोना वायरस से फ्री हो सकें। टनल में सेनिटाइजर होगा जो यात्रियों पर स्प्रे करेगा। लॉकडाउन से पहले ग्वालियर रेलवे स्टेशन में औसतन 55 हजार यात्रियों का रोज आना जाना है। यात्री प्लेटफार्म नंबर एक और प्लेटफार्म नंबर 4 से प्रवेश कर ट्रेन पकड़ते हैं।

कहां-कहां हो रहा है प्रयोग-रेल प्रशासन के मुताबिक प्रयोग के तौर पर कोचिंग डिपो प्रयाराज, इलेक्ट्रिक लोकोशेड कानपुर और झांसी में 3 अलग-अलग डिजाइन के सेनिटाइजेशन टनल लगाए गए हैं। यहां आने वाले कर्मचारी और अफसर टनल से होकर गुजरते हैं, जिससे वे सेनिटाइज हो जाते हैं। अभी परीक्षण चल रहा है। अधिकृत विशेषज्ञों द्वारा सभी गुणों और अवगुणों की पूरी जांच के बाद इसे भीड़ वाले स्थानों में लगाया जाएगा।

थर्मल स्क्रीनिंग को अनिवार्यता दी

रेलवे कर्मचारी और अफसर कोरोना वायरस के चपेट में न आएं, इसके लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। थर्मल स्क्रीनिंग के बाद ही मालगाडियों और विशेष पार्सल ट्रेनों की कमान रनिंग स्टॉफ को सौंपी जा रही है। अफसरों का कहना है कि जो पूरी तरह फिट है उन्हीं की ड्यूटी लगाई जाती है। रेलवे द्वारा रनिंग स्टॉफ की सुरक्षा को लेकर जरूरी निर्देशों का पालन सख्ती से करने को कहा गया है।

लोको पायलट को दी जा रही सुरक्षा किट

मालगाड़ी के संचालन में लगे लोकोपायलट, सहायक लोकोपायलट व गार्ड को सुरक्षा किट दी जा रही है। किट में 3 लेयर मास्क, एक जोड़ी दस्ताने, एक डेटॉल साबुन, अल्कोहल आधारित तरल सेनिटाइजर, लाइजोल और 4 टिश्यू पेपर दिए जा रहे हैं, जिसका उपयोग एक सप्ताह में करना होता है।

असर: फूड वितरण पर सख्ती बांटने वाले सोशल डिस्टेंसिंग का कर रहे पालन पर भीड़ दूरी बनाने को तैयार नहीं

ग्वालियर. शुक्रवार से फूड वितरण के लिए प्रशासन ने सख्ती की और इसका असर भी दिखा। खाना या राशन बांटने वाले अलग-अलग दो पहिया वाहन या चार पहिया वाहन में दो ही लोग नजर आए। थाटीपुर और गांधी रोड पर दो लोग जरूर खाना बांटते समय सोशल डिस्टेंस मेंटेन नहीं करा रहे थे, जिन्हें पुलिस ने हिदायत देकर काम करने के लिए कहा। स्कूल, संस्था के साथ लोग खुद बांट रहे खाना: भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री रेशु राजावत रोज 1 हजार खाने के पैकेट महाराजपुरा, शताब्दीपुरम, भगत सिंह नगर, हजीरा, पिंटो पार्क, मुरार में रह रहे मजदूर परिवारों को बांट रही हैं। उनका कहना है कि ये व्यवस्था लॉकडाउन खत्म होने तक जारी रखेंगे, ताकि मजदूर परिवार खाने के लिए परेशान न हों। ग्वालियर प्राइवेट स्कूल ग्रुप के अध्यक्ष सुनील यादव द्वारा रोजाना हाईवे, बड़ागांव, हुरावली, मोहनपुर, सिरोल क्षेत्र में रह रहे मजदूर परिवारों को खाने के पैकेट दिए जा रहे हैं। मुरार के युवाओं की टीम द्वारा रोजाना शहर के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचकर खाने और राशन के पैकेट बांटे जा रहे हैं। टीम मेंबर सन्नी डंडौतिया ने बताया कि जो लोग खाना बना सकते हैं, उन्हें राशन दिया जा रहा है बाकी को खाने के पैकेट।

प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व मंत्री: श्याम वाटिका में रोजाना खाना बनाया जा रहा है और फिर ये खाना गाड़ियों से कार्यकर्ता लेकर क्षेत्र में पहुंचते हैं। वाटिका में लंगर नहीं चलता, कोई खाना लेने पहुंच जाता है तो उसे दे दिया जाता है। रोजाना 7 से 10 बस्तियों में ये खाना पहुंचाया जा रहा है। रेसकोर्स रोड स्थित श्री तोमर के बंगले पर कोई खाना नहीं बांटा जा रहा। यहां उन लोगों के नाम दर्ज किए जा रहे हैं जिन्हें राशन की जरूरत होती है। शुक्रवार को राशन की जरूरततंदों की इस सूची में 1900 नाम दर्ज हुए।

प्रवीण पाठक, विधायक: विधानसभा क्षेत्र में श्री पाठक की टीम जरूरतमंदों को खाने के पैकेट पहुंचाने के साथ उन लोगों के नाम भी नोट कर रही है जिनके पास खाना बनाने के साधन हैं। ऐसे परिवारों को आटा, दाल, चावल, तेल के राशन पैकेट पहुंचाए जा रहे हैं। क्षेत्र में सरकारी राशन वितरण की व्यवस्था की मॉनिटरिंग खुद विधायक कर रहे हैं और कुछ दिन पहले तक सुबह-सुबह उनके घर लोगों की भीड़ राशन न मिलने की समस्या लेकर पहुंचती थी, अब ऐसा नहीं हो रहा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478